चीनी संसदीय शिष्टमंडल के साथ बातचीत के दौरान लोक सभा अध्यक्ष ने कहा- सकल घरेलू उत्पाद महत्वपूर्ण है किंतु संस्कृति और मानवता के गुणों का भी विकास होना चाहिए

नई दिल्ली, 15 जून, 2015 : लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने आज संसद भवन में चीन जनवादी गणराज्य की नेशनल पीपल्स कांग्रेस की स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन, महामहिम श्री जांग डजियांग के नेतृत्व में भारत की यात्रा पर आए चीनी संसदीय शिष्टमंडल का स्वागत किया । श्रीमती महाजन ने कहा कि भारत चीनी संसदीय शिष्टमंडल की यात्रा को बहुत महत्व देता है क्योंकि यह यात्रा 14 से भी अधिक वर्षों के अंतराल के बाद हो रही है । उन्होंने यह भी कहा कि चीन के साथ भारत के संबंधों को हमारी विदेश नीति में उच्चतम प्राथमिकता दी गई है । उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि हालांकि सकल घरेलू उत्पाद महत्वपूर्ण है किंतु संस्कृति और मानवता के गुणों का भी विकास होना चाहिए ।

श्रीमती महाजन का मानना था कि भारत- चीन संबंध 21वीं शताब्दी के सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंध हो सकते हैं । इस बात का उल्लेख करते हुए कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल में की गई चीन यात्रा ने भारत- चीन संबंधों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उन्होंने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंध अपेक्षित दिशा में आगे बढ़ रहे हैं ।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि दोनों देश विश्व की तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाएं हैं, श्रीमती महाजन ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि द्विपक्षीय व्यापार की मात्रा और गुणवत्ता बढ़ रही है । तथापि, परस्पर व्यापार को बेहतर और परस्पर लाभकारी बनाने के लिए बढ़ते हुए घाटे की समस्या का समाधान किए जाने की आवश्यकता है । इस संबंध में उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी की दो महत्वपूर्ण पहलों अर्थात् "मेक इन इंडिया " और "स्किल इंडिया " का उल्लेख किया और कहा कि इन पहलों से चीनी कंपनियों को भारत में आकर निवेश करने के भरपूर अवसर मिलेंगे ।

जहां तक संसदों के परस्पर संबंधों की बात है, सितम्बर, 2014 में राष्ट्रपति शी की भारत यात्रा का उल्लेख करते हुए श्रीमती महाजन ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि राष्ट्रपति शी ने उन्हें चीन से संसदीय शिष्टमंडल का शीघ्र भेजने में सहायता करने का आश्वासन दिया था । उन्होंने शिष्टमंडल को बताया कि चीन के साथ मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत के राजनीतिक दलों में सर्वसम्मति है । उनकी राय थी कि राज्य विधानसभाओं, राज्य विधानमंडलों और प्रांतीय जन सभाओं के बीच सहयोग और संपर्क से हमारे संबंध और मजबूत होंगे ।

इस अवसर पर श्रीमती महाजन ने यह भी कहा कि भारत और चीन दोनों देशों में जीवंत संस्कृति और जीवंत लोग हैं और ये विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक हैं । बौद्ध धर्म हमारे दोनों देशों की सभ्यताओं को जोड़ने वाला सूत्र है । विगत काल में अनेक बौद्ध भिक्षुओं और दार्शनिकों ने दोनों देशों के बीच मित्रता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में मदद की है । कुमारजीव, कश्यप मतंग, बोधिधर्म उन प्रसिद्ध भारतीय मठवासियों में शामिल हैं जिन्होंने चीन की यात्रा की । ह्येनसांग और फाह्यान भारत में सुप्रसिद्ध हैं । डा. कोटनिस को मानवता के लिए किए गए उनके योगदान के लिए चीन में बहुत याद किया जाता है । वर्तमान समय में अपने साझे सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करते हुए हमें पर्यटन, शिक्षा, खेल, फिल्मों जैसे सहयोग के नए क्षेत्रों का विकास करना चाहिए जो दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं । उन्होंने यह भी बताया कि भारत ने वर्ष 2015 को चीन में "विज़िट इंडिया ईयर " और 2016 को "विज़िट चाइना ईयर " के रूप में मनाने का निर्णय लिया है । इसके अतिरिक्त, श्रीमती महाजन ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि पवित्र मानसरोवर यात्रा के लिए वैकल्पिक नाथुला मार्ग खोला जा रहा है और तीर्थयात्रियों का पहला जत्था कल अर्थात् 16 जून, 2015 को इस यात्रा पर जाएगा जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा ।

इसके उत्तर में महामहिम श्री जांग डजियांग ने शिष्टमंडल की शानदार मेजबानी के लिए लोक सभा अध्यक्ष को धन्यवाद दिया । उन्होंने यह आशा भी व्यक्त की कि दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध और मजबूत होंगे ।